विषय #1
पल्ली के मिशन/अभियान में हमराही और हमसफर

1. सुसमाचार के सिद्धांत/मूल्य (जैसे प्रार्थना, प्यार, सहानुभूति, सचाई आदि) हमें अपनी पल्ली में एक जुट रहने, जुड़े रहने और एक साथ आगे बढ़ने में किस प्रकार सहायक है?

2. आपके अनुभव से, कलीसिया में हमें एक साथ बने रहने, और एक साथ आगे बढ़ने में कौन सी बाधाएं और मुश्किलें (सामाजिक, आर्थिक, जाति भेद–भाव, आदि) आपका रास्ता रोक रहीं हैं?

3. बहुत से हमारे ख्रीस्तीय भाई–बहन कलीसिया से दूर हो गए हैं। कौन है यह लोग? आपके विचार में यह लोग किन कारणों से दूर हो गए है? इन भाई–बहनों को हम कैसे ले आ सकते है?

4. ऊपर दिए गए प्रश्नों के मुताबिक, पल्ली में सभी एक साथ आगे बढ़ें – इसके लिए कौन कौन से कदम उठाने जरूरी/अति आवशयक हैं?

विषय #2
ध्यानपूर्वक सुनना

1. आपकी पल्ली में: महिलाओं, युवकों, गरीबों, शोषितों, पीड़ितों, समाज से निर्वासित वर्ग के लोगों की बात किस प्रकार सुनी जाए? - सुझाव दीजिए

2. आपकी पल्ली को सुचारू ढंग से चलने में जब निर्णय लिए जाते है, तो आप की आवाज/ आम जनता की आवाज को किन कारणों और तरीकों से दबाया/नजरंदाज/सुना नहीं जाता?

3. आपकी पल्ली में पुरोहित और धर्म बहनें आपकी बात ध्यान से सुनते और उस पर अमल करतें है? आप सहमत/असहमत हैं और क्या आप अपने पल्ली पुरोहित और धर्म बहनों की बात सुनते हैं और उस पर अमल करते हैं? आप सहमत/असहमत हैं। विस्तार में स्पष्ट करें।

4. हमारी पल्ली/कलसिया को किस प्रकार के कदम उठाने होंगे कि पल्ली/कलीसिया के सभी वर्ग के लोगों की आवाज, (गरीब, लाचार, शोषित, पीड़ित और खासकर उन ख्रीस्तीय भाई–बहनों की जो जीवन की बुनियादी सुविधाएं से वंचित हैं) सुनी जाए?

विषय #3
बेखौफ/स्वछंद रूप से अपनी बात कहना

1. पल्ली में किसी भी प्रकार के अन्याय, शोषण, राजनीति, और अन्य विषयों पर अपने विचारों को बेखौफ/स्वछंद रूप से व्यक्त करने में मुझे किस किस प्रकार की आशंकाएं/डर/भय/बाधाओं का सामना किया/करना पड़ता है?

2. सुसमाचार के सिद्धांतो और मूल्यों का साक्ष्य देने में/ साक्षी बनने में/सुसमाचार को जीने में /अपनाने में, कौन सी कठिनाइयां/परेशानियां/रुकावटें मुझे रोकती हैं?

3. पल्ली में पक्षपात, भेदभाव, गुटबंदी, और अन्य बुरी प्रथाओं/बुराइयों के प्रति अपने विचारों को प्रकट करने के लिए मैं कौन से ठोस कदम उठाता हूं?

4. पल्ली वासियों की बात कलीसिया की निर्णायक समिति में, मुख्य अखबारों, टी–वी और रेडियो पर और स्थानीय/देश के अन्य मुख्य धारा के चैनलों पर भी सुनी/प्रकाशित की जाए; इसके लिए हम क्या कर सकते हैं?

विषय #4
यूखरिस्त समारोह और संस्कारों की पूजन विधि को मनाना

1. क्या मेरा विश्वास, पवित्र संस्कारों को ग्रहण करने और यूखरिस्त समारोह को मानने से और भी दृढ़/ गहरा होता है? – विस्तार में स्पष्ट करें।

2. यूखरिस्त समारोह और प्रार्थनाओं में (सक्रिय) भाग लेने से मुझे मेरे दैनिक जीवन में आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए मुझे शक्ति/सामर्थ्य/प्रेरणा मिलती है। विस्तार में वर्णन/बयान करें।

3. पवित्र संस्कारों को ग्रहण करने और पवित्र वचन (पढ़ने/सुनने) से मुझे सही निर्णय लेंने में सहायता मिलती है। – विस्तार में स्पष्ट करें।

4. हर रविवार को मनाए जाने वाले पवित्र यूखरिस्तीय समारोह के विषय में आपका व्यक्तीगत अनुभव क्या है? क्या आपके लिए यह प्रभु येसु से भेंट करने का सुअवसर है या केवल एक अनुष्ठान है? – विस्तार में वर्णन करें

विषय #5
कलीसिया के मिशन/अभियान की ज़िम्मेदारियों में सहभागिता

1. कलीसिया के मिशन/अभियान के कौन कौन से क्षेत्रों में मैं सक्रिय भाग किस प्रकार लेता हूं? (धर्म प्रचार, धर्म शिक्षा, समाज सेवा, शिक्षा,)– विस्तार में वर्णन/बयान करें

2. बपतिस्मा में पवित्र आत्मा से अशिषित ख्रीस्तीय होने के नाते, कलीसिया के मिशन/ अभियान को आगे बढ़ाने में आपकी समझ में प्रभु येसु ने आपको क्या जिम्मेदारियां सौंपी हैं – विस्तार में बताएं

3. बपतिस्मा में पवित्र आत्मा से अशिषित ख्रीस्तीय होने के नाते, कलीसिया के मिशन/अभियान में सक्रिय रूप से भागीदार बनने में मुझे कौन सी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है – विस्तार से वर्णन करें।

4. शिक्षा, चिकित्सा,आदि क्षेत्रों में काम कर रहे मेरे ख्रीस्तीय भाई बहनों की मैं किस प्रकार मदद करता हूं/मदद कर सकता हूं – विस्तार से वर्णन करें।

5. कलीसिया के मिशन/अभियान के कौन कौन से क्षेत्रों को मैं नज़रंदाज़/ की उपेक्षा/अहवेलना कर रहा हूं – विस्तार से वर्णन करें।

विषय #6
कलिसिया में और समाज में संवाद/वार्ता/बातचीत

1. आपको अपनी पल्ली के कामकाजों में शामिल होने के लिए किस तरह प्रोत्साहित किया जाता था/है?

2. आपकी पल्ली में अमीर–गरीब, शिक्षित—अशिक्षित, भिन्न भिन्न राज्यों से आए और बसे लोगों के बीच बातचीत/संवाद/वार्तालाप को किन किन तरीकों से सुधारा और बढ़ावा दिया जा सकता है?

3. गैर ख्रीस्तियों के साथ उनके और अपने त्योहारों, जनाजों, आर्थिक मुश्किलों में मदद, और जीवन की अन्य सुखद और दुखद अवसरों/घटनाओं में एक दूसरे के साथ शामिल होने पर आप के व्यक्तिगत अनुभव कैसे है – विस्तार से वर्णन करें?

4. कलिसिया और मानव–समाज के बीच संवाद/वार्ता/बातचित को किस प्रकार बेहतर बनाया जा सकता है? राजनीति (स्थानीय, जिला, राजकीय, राष्ट्रीय स्तर पर) में सक्रिय भाग लेंने के लिए योग्य कैथोलिक विश्वासियों को सहयोग, समर्थन और प्रोत्साहन देने के लिए कौन से ठोस कदम उठाने होंगे – सुझाव दीजिए

विषय #7
इक्यूमेनिज्म (सार्वभौमिकता)

1. दूसरे ईसाई धर्म पंथों/संप्रदाय के लोगों से मेल–मिलाप से प्रेरित, सभाओं/समारोहों के विषय में, अपने व्यक्तिगत अनुभवों का विस्तारपूर्वक वर्णन करें।

2. अंतर–ईसाई धर्म संप्रदाय संबंध — (प्रोटेस्टेंट–कैथोलिक, कैथोलिक–पेंटेकोस्टल, इत्यादि) के आपसी संबंधों में आपने व्यक्तिगत स्तर पर किस प्रकार की मुश्किलों, भय, और बाधाओं का अनुभव किया है – वर्णन करें।

3. अंतर–ईसाई धर्म संप्रदाय संबंध — (प्रोटेस्टेंट–कैथोलिक, कैथोलिक–पेंटेकोस्टल और अन्य) के बीच आपसी संबंधों को सुधारने के लिए हमें कौन से कदम उठाने चाहिए – वर्णन करें।

4. हम कैथोलिक ख्रीस्तीयों को — प्रोटेस्टेंट, पेंटेकोस्टल, बैप्टिस्ट, एडवेंटिस्ट, लूथरांस, इत्यादि) से क्या सबक सीखने चाहिए – वर्णन करें।

विषय #8
अधिकारिता और सहभागिता

1. आप अपनी पल्ली/संगठन/संस्थान के कार्यों/कामकाज में किस प्रकार की सहभागिता देते है और किस प्रकार अपनी जिम्मेदारी निभाते हैं?

2. मिलजुल कर और जिम्मेदारियों को आपस में बांट कर काम करना – इन गुणों और अन्य गुणों को ध्यान में रखते हुए, आप अपनी पल्ली परिषद, महिला संघ, युवा संघ इत्यादि, संगठनों के विषय में आप अपने व्यक्तिगत अनुभवों के अनुसार इन संगठनों के बारे में टिप्पणी करें/मूल्यांकन करें।

3. आपके अपनी पल्ली और पूरे धर्मप्रान्त में शासन–विधि (आदेश देना और लेना, काम करने/करवाने के लिए) और अधिकारिता (हां/न कहने का अधिकार, कुछ करने का अधिकार) से संबंधित आपके व्यक्तिगत अनुभवों का विस्तारपूर्वक वर्णन करें।

4. नेतृत्व और सहभागिता की भावना को हम सबको एक साथ ले कर चलने वाले दृष्टिकोण (यानी सिनोदल दृष्टिकोण) के साथ किस प्रकार जोड़ सकते हैं और सीनोदल दृष्टिकोण को हम अपनी पल्ली में कैसे बढ़ावा दे सकते हैं।

विषय #9
पहचानना, समझना और निर्णय लेकर सुनिश्चित करना

1. अपनी पल्ली के विभिन्न उद्देश्यों को पहचानने, समझने और उनका पूरा करने के लिए विभिन्न गतिविधियों (परमप्रसाद संस्कार, धर्म शिक्षा, क्रिसमस/ पास्का त्योहार मनाना आदि) के लिए और उनके विषय में निर्णय लेने के लिए आप/आपके सुझाव किस तरह शामिल किए जातें हैं? – विस्तार में बताएं

2. पल्ली की कार्य विधियों में पारदर्शिता हो (सभी विशावासियों/समिति के सदस्यों को सूचित किया जाता है/बताया जाता है) – इसे कैसे सुनिश्चित करें और बढ़ावा दें? पल्ली के विभिन्न कमकाजो की जिम्मेदारी और उसके प्रति जवाबदेही को किस तरह निर्धारित किया जाए और बढ़ावा दिया जाए।

3. पवित्र आत्मा से प्रेरित हो, हम अपने आध्यात्मिक जीवन को किस प्रकार और आगे बढ़ सकतें हैं?

विषय # 10
हमारे ख्रीस्तीय समुदाय/कलीसिया को सिनोडालिटी (एक मन और हृदय वाले समुदाय) में तैयार करना और बनाए रखना

1. पल्ली समुदाय किन तरीकों से निम्नलिखित समुदायों की सहायता कर सकता है? :
   प्रवासी ख्रीस्तीय
   वंचित ख्रीस्तीय
   युवा पीढ़ी
   बेरोजगार

2. अपने ख्रीस्तीय समुदाय के विश्वास को और गहरा एवं पक्का बनाने के लिए उपयुक्त सुझाव दीजिए

3. पल्ली में नेतृत्व, सहचार्य, और सहभागिता को किस प्रकार विकसित किया जा सकता है – अपने सुझाव दीजिए